संस्कृत

एम०ए० उत्तरार्द्ध

(1) एम0ए0 उत्तरार्द्ध में पाँच प्रश्न होंगे। (2) प्रथम प्रश्न पत्र तथा मौखिकी सभी वर्गों के लिए अनिवार्य होगा। (3) शेष तीन प्रश्न पत्र चयनित वर्ग से लेने होंगे। (4) 100 अंको की मौखिकी होगी। (5) अपने चयनित वर्ग में से किसी भी एक प्रश्न पत्र के विकल्प में संस्थागत विद्यार्थी लघु शोध–प्रबन्ध ले सकता है।

(क) साहित्य वर्ग

प्रथम प्रश्न पत्र–व्याकरण तथा निबन्ध **100 अंक**

(1) कारक (सिद्धान्त कौमुदी) भट्टोजि दीक्षित सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि। 30 अंक

(2) कृदन्त तद्धित एवं स्त्री प्रत्यम (लघु सिद्धान्त कौमुदी–वरदराज रूपसिद्धि)। 30 अंक

(3) वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय प्रश्न 10 अंक

(4) निबन्ध (संस्कृत में) 30 अंक

सहायक ग्रन्थ–

(1) सिद्धान्त कौमुदी–भट्टोजि दीक्षित (भैमी टीका)–चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस वाराणसी।

(2) लघु सिद्धान्त कौमुदी–धरानन्द शास्त्री–चौखम्बा वाराणसी।

(3) लघु सिद्धान्त कौमुदी–डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।

(4) निबन्ध चन्द्रिका–ग्रन्थम कानपुर।

(5) संस्कृत निबन्ध नवीनतम्–डा0 कपिल देव द्विवेदी–विश्वभारती अनुसंधान ज्ञानपुर।

द्वितीय प्रश्न पत्र : काव्यशास्त्र

100 अंक

1. काव्य प्रकाश–मम्मट (1 से 5 उल्लास व्याख्या, 1 से 8 उल्लास प्रश्न) तथा 9–10 उल्लास–भेद रहित अलंकार	50 अंक
2. ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत (आनन्दवर्धन) व्याख्या	20 अंक
3. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 अंक

सहायक ग्रन्थ–

1. काव्य प्रकाश – मम्मटाचार्य विश्वेश्वर की टीका–ज्ञान मण्डल लिमिटेड वाराणसी।
2. काव्य प्रकाश – टीका डॉ0 सत्यव्रत सिंह – चौखम्बा वाराणसी।
3. ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धनाचार्य लोचन टीका – मोती लाल बनारासी दास वाराणसी।
4. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास– पी0वी0 काणे हिन्दी अनुवाद–मोती लाल बनारसी दास, वाराणसी।
5. History of Sanskrti Poetics – S.K. Dey – Motilal Banarasi Dass, Varanasi

तृतीय प्रश्न पत्र : नाटक एवं नाट्यशास्त्र

1. मृच्छकटिकम्–शूद्रक हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	30 अंक
2. रत्नावली–हर्षवर्धन हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	20 अंक
3. दशरूपक–धनंजय हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	30 अंक
4. समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
5. वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र–संदर्भित ग्रन्थ

1. मृच्छकटिकम् शूद्रक सं0 डा0 रमाशंकर त्रिपाठी–मोती लाल बनारसीदास वाराणसी।
2. मृच्छकटिकम्–डा0 के0के0 त्रिपाठी–कानपुर पब्लिशिंग हाउस, कानपुर।
3. महाकवि शूद्रक–डा0 रमाशंकर त्रिपाठी–चौखम्बा वाराणसी।
4. दशरूपक–श्री निवास शास्त्री सं0 – रतिराम शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ।
5. दशरूपक–धनंजय (धनिक वृत्ति) चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
6. Sanskrit Drama & Dramaturgy – T.G. Mainkar Ajanta Publication, Delhi.
7. नाट्य शास्त्र–रघुवंश, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
8. हिन्दी नाट्य शास्त्र– बाबूराम शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
9. भारतीय नाट्य शास्त्र की परम्परा और दशरूपक–हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. रत्नावली नाटिका प्रकाश व्याख्योपेतः चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस वाराणसी।
11. रत्नावली नाटिका मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास प्रकाशन–नई दिल्ली।
12. रत्नावली नाटिका– श्री रामचन्द्र मिश्र चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन दिल्ली।

चतुर्थ प्रश्न पत्र : काव्य एवं गद्य

100 अंक

(1) नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या प्रथम सर्ग — 25 अंक

(2) कादम्बरी कथामुखम (हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या) — 30 अंक

(3) मुद्राराक्षसम्– विशाखदत्तम् — 25 अंक

(4) समीक्षात्मक प्रश्न — 10 अंक

(5) वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय प्रश्न — 10 अंक

संदर्भित ग्रन्थ–

(1) नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष–संजीवनी टीका–चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

(2) नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष–डा0 सुरेन्द्र देव शास्त्री–चौखम्बा ओरियन्टलिया वाराणसी।

(3) कादम्बरी–बाणभट्ट–चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।

(4) कादम्बरी कथामुखम–प्रो0 राजेन्द्र मिश्र–भारतीय प्रकाशन चौक कानपुर।

(5) नैषधीय परिशीलनम्–चण्डिका प्रसाद शुक्ल–इलाहाबाद।

(6) संस्कृत वाड.मय का बृहद् इतिहास–उ0प्र0 संस्कृत संस्थान लखनऊ (चतुर्थ एवं सप्तम खण्ड)।

(7) बाणभट्ट–डा0 विजय लक्ष्मी त्रिवेदी–कानपुर।

(8) मुद्राराक्षसम्–डॉ0 निरुपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ।

वर्ग (ख) वेद

द्वितीय प्रश्न पत्र – ऋग्वेद संहिता, प्रतिशाख्य तथा व्याकरण 100 अंक

1. ऋग्वेद 60 अंक

(1) विश्वेदेवा 7/35 (2) सविता 1/35 (3) विष्णु 1/154

(4) रूद्र 2/33 (5) पर्जन्य 5/83 (6) पूषा 6/54

(7) माण्डूक्य 7/103 (8) ज्ञानम् 10/71 (9) श्रद्धा 10/151

(10) संगठन सूक्त 10/190–191 (11) इन्द्र बृहस्पति 7/97 (12) पुरूरवा उर्वशी 10/95

उपर्युक्त सूक्तों का सायण भाष्य के आधार पर व्याख्यात्मक तथा समीक्षात्मक अध्ययन।

2. वैदिक व्याकरण – ऋक् प्रतिशाख्य (केवल प्रथम द्वितीय पटल) 20 अंक

3. सायण – ऋग्वेद भाष्य भूमिका 20 अंक

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. A vedic grammar for students by A.A. Macdonell-motilal Banarasi Dass, Delhi.
2. Sayana's Introduction of Rygveda (Eng. Translation) Peterson.
3. Rygveda Bhashya Bhumica with Hindi Commentary by Jagannath Pathak.
4. ऋग्वेद प्रतिशाख्य – डा0 बृज बिहारी चौबे – होशियारपुर
5. ऋक प्रातिशाख्य – डा0 वीरेन्द्र वर्मा – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

29/10/2018

तृतीय प्रश्न पत्र

वैदिक साहित्य का परिचयात्मक इतिहास एवं अथर्ववेद 100 अंक

1. संहिता – ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, प्रमुख शाखाएं वर्ण्य विषय तथा प्रमुख भाष्यकार। 20 अंक

2. ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद ब्राह्मण का अर्थ प्रमुख ब्राह्मण ग्रन्थ एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का महत्व एवं वर्ण्य विषय। आरण्यक का अर्थ, प्रमुख आरण्यक ग्रन्थ, आरण्यकों का महत्व एवं वर्ण्य विषय, उपनिषद् शब्द का अर्थ, प्रमुख उपनिषद्, उपनिषदों का महत्व, उपनिषदों में वर्णित विषय ।

3. अथर्ववेद सूक्त– 60 अंक

मेधाजननम् 1/1	अपां भेषजम् 1/5	परम धाम (ब्रह्मआत्मा) 2/1
दीर्घायुः प्राप्ति 3/2	राज्ञः संवश्यम् 3/4	कृषि : 3/17
साम्मनस्य 3/30	ब्रह्मगवी 5/18	ब्रहचारि सूक्त 11/5
सूर्या सूक्त 14/11/16		

उपर्युक्त सूक्तों का सायणाचार्य के भाष्य के आधार पर विस्तृत अध्ययन

<u>सन्दर्भित ग्रन्थ</u>–

1. History of Indian Literature Vol. 1 M. Winternitz Motilal Banarsidass Publication Delhi.
2. Hymns of Atharv Veda by M. Bloomfield-Motilal Banarsidass, Delhi
3. अथर्ववेद संहिता (सुबोध भाष्य) सातवलेकर–स्वाध्याय मण्डल पारडी।
4. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति का समीक्षात्मक इतिहास–प्रो ओम् प्रकाश पाण्डेय न्यू एज पब्लिकेशन दरियागंज, नई दिल्ली।
5. अथर्ववेद का सांस्कृतिक अध्ययन डा0 कपिल देव द्विवेदी विश्वभारती संस्थान ज्ञानपुर।
6. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (प्रथम खण्ड)–प्रो0 बलदेव उपाध्याय–उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

100 अंक

1. ऐतरेय ब्राह्मण – प्रथम पञ्चिका
2. पारस्कर गृह्यसूत्र – प्रथम काण्ड — 20 अंक
3. निरुक्त – द्वितीय तथा सप्तम अध्याय — 20 अंक
4. कात्यायन श्रौत सूत्र – प्रथम अध्याय मात्र — 20 अंक
5. समीक्षात्मक प्रश्न– — 20 अंक

<u>संदर्भित ग्रन्थ–</u>

1. निरुक्त – विश्वेश्वर – चौखम्बा विद्या भवन प्रकाशन वाराणसी।
2. निरुक्त – उमाशंकर ऋषि – चौखम्बा वाराणसी
3. निरुक्त कपिलदेव – साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ
4. ऐतरेय ब्राह्मण – सायणभाष्य – तारा प्रिन्टिंग प्रेस वाराणसी।
5. कात्यायन श्रौत सूत्र– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
6. पारस्कर गृह्यसूत्र–प्रो० ओम प्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा प्रेस वाराणसी।
7. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (द्वितीय खण्ड)–प्रो० बलदेव उपाध्याय उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

वर्ग 'ग' दर्शन

द्वितीय प्रश्न पत्र – सांख्य एवं योग

100 अंक

1. सांख्यकारिका (सांख्य तत्व कौमुदी सहित)	35 अंक
2. योगसूत्र (प्रथम पाद) व्यास भाष्य वैशारदी के आलोक में	35 अंक
3. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. सांख्यकारिका (तत्वकौमुदी के परिप्रेक्ष्य में) अर्थबोधिनी हिन्दी व्याख्या– डा0 प्रेमा अवस्थी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. योग सूत्र डा0 सुरेश चन्द्र अवस्थी (टीका) चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
3. सांख्य दर्शन की ऐतिहासक परम्परा–डा0 आद्या प्रसाद मिश्र, तत्व प्रकाशन बलरामपुर हाउस इलाहाबाद।
4. योग दर्शन – डा0 विमला कर्नाटक चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

तृतीय प्रश्न पत्र – न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

100 अंक

1. न्यायसूत्र एवं न्याय भाष्य प्रथम अध्याय — 35 अंक
2. प्रशस्तपाद भाष्य I (प्रथम अध्याय) — 35 अंक
3. समीक्षात्मक प्रश्न — 20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ व लघु उत्तरीय — 10 अंक

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. न्याय सूत्र एवं न्यायभाष्य – प्रथम अध्याय – आचार्य बुद्धिराज शास्त्री विनिर्मित प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या चौखम्बा संस्कृत संस्थान गोपाल मंदिर लेन वाराणसी।
2. प्रशस्तपादभाष्य–श्री दुर्गाधर झा कृत हिन्दी व्याख्या।
3. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा ओरियन्टल प्रकाशन वाराणसी।
4. भारतीय दर्शन – डा0 जगदीश चन्द्र मिश्र चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

चतुर्थ प्रश्न पत्र

पूर्वमीमांसा, उत्तरमीमांसा एवं अवैदिक दर्शन — 100 अंक

1. अर्थ संग्रह – लौगाक्षिभास्कर	25 अंक
2. ब्रह्मसूत्र – शाङ्करभाष्य चतुःसूत्री	25 अंक
3. अवैदिक दर्शनों (जैन, बौद्ध चार्वाक का परिचयात्मक ज्ञान)	20 अंक
4. समीक्षात्मक प्रश्न	20 अंक
5. वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय प्रश्न	10 अंक

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. वैदिक वाङ्मय का बृहद् इतिहास – प्रधान सं0 बलदेव उपाध्याय–उ0प्र0 संस्कृत संस्थानम् लखनऊ (दशम तथा द्वादश खण्ड) वेदान्त एवं जैन बौद्ध तथा चारवाग दर्शन।
2. सर्वदर्शन संग्रह – डा0 उमाशंकर शर्मा ऋषि – चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
3. अर्थसंग्रह – अर्थबोधिनी व्याख्या युक्त – डा0 दयाशंकर शास्त्री चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. ब्रह्मसूत्र शाङ्कर भाष्य चतुःसूत्री हिन्दी व्याख्या आचार्य विश्वेश्वर चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
5. मीमांसा दर्शन का विवेचनात्मक इतिहास – डा0 गजानन शास्त्री मुसलगांवकर चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।